



कर्ट क्राइम

सिर्फ सच...

www.currentcrime.com

03

• नई दिल्ली।। गुरुवार 18 अप्रैल - 2024

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित


राजू पांचाल
 (विश्वकर्मा)

प्रदेश अध्यक्ष अधिकारी नामीय विश्वकर्मा विश्वास संघ, उत्तर प्रदेश

लोकसभा चुनाव 2024
 मतदान है हमारा अधिकार
26 अप्रैल
 को मतदान अवश्य करें

डॉली शर्मा और पंडित अमरपाल को राहुल-अखिलेश दे गए
दोनों ने की अपने नेताओं से खास मुलाकात

गाजियाबाद, करंट क्राइम : अखिलेश यादव और राहुल गांधी की संयुक्त प्रेसवार्ता थी। दोनों ही नेता अपने प्रत्याशियों का जीत का मंत्र देने के लिए गाजियाबाद के होटल रेडिसन ब्लॉक पहुंचे थे। इस दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने गाजियाबाद लोकसभा सीट से ईंटिया गठबंधन की संयुक्त प्रत्याशी डॉली शर्मा से मुलाकात की। तो वही वागपत संघ से चूचाव लड़ पंडित अमरपाल शर्मा ने राहुल गांधी से हाथ मिलाया। दोनों ही नेताओं ने अपने प्रत्याशियों के साथ गर्भजोशी का एहसास कराया। तो उनको चुनाव के लिए आंतरिक वेस्ट भी बोलकर गए हैं। इस दौरान जब अखिलेश यादव और राहुल गांधी के साथ फोटो लेने और उनका स्वागत करने के लिए डॉली शर्मा और अमरपाल शर्मा का नंबर आया तो दोनों को मुस्कान बता ही थी कि बड़े नेता से मिलने का सीन बढ़ा होता है। इस दौरान डॉली शर्मा और पंडित अमरपाल शर्मा को अलग से मंच के बाहर भी मिला। जब अन्य प्रत्याशी और सपा-कांग्रेस के नेता पूरी प्रेसवार्ता के दौरान मौजूद रहे।

मंच पर इनकी दरी उपस्थिति

करंट क्राइम : प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर उदयवीर सिंह पूर्ण एमएलसी, शाहिद सिंहीकी पूर्व राज्यसभा सांसद, शाहिद मंजूर विधायक किंठीर, अखिलेश यादव, राहुल गांधी, अविनाश पांडे, अजय यादव प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस यूपी, जयराम रमेश पूर्व केंद्रीय नीति और कांग्रेस मैदान मन्त्री प्रमुख नेताओं में शामिल रही।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपरिथ रहने वालों में पूर्व एमएलसी राकेश यादव, सपा महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, जिला अध्यक्ष फेंसल हुसैन, सपा नेता मधु वीरी, वीरवीर दिलास, विशाल वर्मा, राज देवी वीरधी, इशात त्यागी, नरेंद्र भारद्वाज, मनोज भारद्वाज, जिया वीरधी, जाकिर अंती सहित बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्या भैया जी से मुलाकात में हो गया कुछ ऐसा खेल

सपा के निला और महानगर अध्यक्ष का मिलन नैनीजमें हो गया पूरी तरह फेल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादियों के अखिलेश यादव, गाजियाबाद के नेता जीवा जब आ रहे हों तो उनसे की चाहत भला किस समाजवादी को नहीं होगी। जब वो दिल्ली में पंडारा रोड पर आते हैं तो गाजियाबाद के समाजवादी विशेष रूप से उनसे मिलने के लिए बहाने जाते हैं। और अखिलेश यादव के समाजवादी विशेष रूप से उनसे मिलने के लिए बहाने जाते हैं। और उनकी मुलाकात का फार्मट यह होता है और अखिलेश के ये हाथ में होता है कि वो मुलाकात का समय ले लें। और समय नहीं भी मिला तो भी किसी प्रकार की गफलत नहीं होती चाहिए। सुन्नत बताते हैं कि समाजवादी यूथ इस बात से नाराज हो और वो तो अब ये कर रहे हैं कि हमारे अध्यक्षों का ही बजूद नहीं है वरन् मुलाकात को मजबूत हो जाती।

गाजियाबाद के शेषांवी यादव तो यहां पर कार्यकर्ताओं की मुलाकात हो जाये। एक बार भैया जी उसकी भी मुलाकात हो जाये। एक बार भैया जी उसकी तरफ भी देख लें। एक बार उनकी भी नमस्कर हो जाये। मिलने के लिए यूथ वाले पहुंचे थे और जब मुलाकात होती हुई तो यूथ वाले ही दिवार में हृष्ण वाले ही नाराज होते हैं। उनका ये कहना है कि अब मुलाकात नहीं करा सकते ये तो अध्यक्षों को ये वाले नहीं करनी चाहिए थी। मुलाकात का फार्मट यह होता है और अखिलेश के ये हाथ में होता है कि वो मुलाकात का समय ले लें। और समय नहीं भी मिला तो भी किसी प्रकार की गफलत नहीं होती चाहिए। सुन्नत बताते हैं कि समाजवादी यूथ इस बात से नाराज हो और वो तो अब ये कर रहे हैं कि हमारे अध्यक्षों का ही बजूद नहीं है वरन् मुलाकात को मजबूत हो जाती।

कांग्रेस वालों की लिस्ट में समाजवादियों का नाम तब हुई उनकी मुलाकात

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गाजियाबाद आये। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वो

मुलाकात करायें। मुलाकात नहीं हुई कांग्रेस वालों में दिवार तब आ गया जब 3 समाजवादियों का नाम कांग्रेस की लिस्ट में आ गया। ये तीन समाजवादी पुराने और प्रभावशाली समाजवादी हैं।

इनमें से मुलाकात के बाद कर लिये लेकिन मुलाकात नहीं करायी। इस बात से कई चेहरे नाराज हैं। भैया जी से मुलाकात में उन्हें अपने अध्यक्षों का मैनेजमेंट फेल होता दिखाई दिया।

आज पिलखुवा के रामलीला मैदान में आ रहे हैं सीएम योगी आदित्यनाथ

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सियासत में कई बार कुछ बातों को लेकर नाराजगी बढ़ती है और इस नाराजगी में मामला पार्टी बनाम विदेशी हो जाता है। लेकिन हर दल में कई बड़े चेहरे ऐसे होते हैं कि जब वो आते हैं तो फिर पूरा मामला बड़ी आसानी से शांत हो जाता है। बुधवार को धौलीना में ठाकरों को एक महापंचायत दृढ़ और गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धौलीना क्षत्र में एक जनसभा को कई बार कर यहां मैदान से सुखानांद करेंगे तो ये माना जा रहा है कि वो यहां काफी हाद तक बिरादी की नाराजगी को पक्ष में करेंगे। योगी आदित्यनाथ भाजपा के हिंदुत्व का फायरब्राउंड चेहरा है और वो भाजपा के प्रमुख और बड़े ठाकुर चेहरों में भी जिन जाते हैं। उनकी जनसभा के सम्बोधन वाले योगी आदित्यनाथ भाजपा के हिंदुत्व का रामलीला मैदान में आ रहे हैं।



ठाकुर बैल में भाजपा के पक्ष में आ रहा योगी आदित्यनाथ भाजपा का दिंदिलान

आज योगी आदित्यनाथ भाजपा के रामलीला मैदान में आ रहे हैं। आज पिलखुवा रामलीला मैदान में उनकी जनसभा रखी गई है। सभावना जाताई जा रही है कि मुख्यमंत्री योगी लगभग वहां दो बजे पहुंचे। हालात में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो 12 बजे से भी पहले आ जायेंगे। लेकिन वो यहां हिंडन एवरफोर्स पर पहुंचे और वो फिर बुलदाशहर सिक्कन्दराबाद के लिए रवाना हो गये। उसके बाद वो सिक्कन्दराबाद से बड़ा जायेंगे। और फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बड़ात से पिलखुवा के रामलीला मैदान में आयेंगे। सभावना के लिए बड़ा यहां होने वाली जनसभा के बड़े बार मायने हैं और यहां लगभग दोहरा 2बजे पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सांसाचारी वाली जनसभा के बड़े योग्यता के लिए बड़ा संदेश योग्य। इस दौरान प्रशंसक नारेबाजी करने लगे और गेट पर सुधार का ब्रावो भी किया। भारी संख्या में पुलिस कार्रवाई, सुरक्षाकारी और निजी गार्ड होने की जगह से हालांकि कई कार्यकर्ता भीतर प्रवेश तो नहीं कर पाया लेकिन इस दौरान काफी देर तक माहौल हँस बना रहा।

डॉली शर्मा और अमरपाल शर्मा ने राहुल गांधी से मिलाया हाथ

करंट क्राइम : राहुल गांधी की गांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं, तो उनका राजनीति में अलग ही रखेग है। यही कारण है कि गाजियाबाद से लोकसभा इंटीली शर्मा और बामपात सीट से गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी पंडित अमरपाल शर्मा जब भी चर्चा पर थे, तो दोनों ने राहुल गांधी के साथ हाथ मिलाया। दोनों ही लोकल फेस हैं उनकी मुराकान खुशी का एहसास कर ही थी। सुन्नत ही राहुल गांधी ने भी प्रीरा निषा के साथ अपने प्रत्याशियों से मूल मुलाकात की। इस दौरान अखिलेश यादव भी पंडित अमरपाल शर्मा और इंटीली शर्मा से मिलने के लिए बड़ी संख्या में उत्सुक हो रहे थे।

एंट्री को लेकर सपा नेताओं की नुस्खा गेट पर हुई नॉकझॉक

करंट क्राइम : अखिलेश यादव और राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए समाजवादी पार्टी और गांग्रेस के नेता बड़ी संख्या में रेडिसन ब्लॉक होटल के बाहर पहुंचे थे। सुखाकारी और पार्टी आलाकमान के निर्वास पर पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों को गेट पर ही रोका जा रहा था। इस दौरान प्रशंसक नारेबाजी करने लगे और गेट पर सुधार का ब्रावो भी किया। भारी संख्या में पुलिस कार्रवाई, सुरक्षाकारी और निजी गार्ड होने की जगह से हालांकि कई कार्यकर्ता भीतर प्रवेश तो नहीं कर पाया लेकिन इस दौरान काफी देर तक माहौल हँस बना रहा।

सुरक्षा में दही पुलिस की फुलपूफ तैनाती

करंट क्राइम : अखिलेश यादव और राहुल गांधी के कार्यक्रम के छलते होटल रेडिसन ब्लॉक और उसके आसपास के इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। खुद पुलिस कार्रवाई पर चर्चाएं और एसीपी इंदिरापुरम् देशरथ पाटिल, एसीपी दिवारी शुभम पटेल, एसीपी विवेक सिंह, उनके बाद राजक शहित भारी संख्या म

संपादकीय मायावती का अलग राज्य

सप्ताह प्रमुख मायावती ने बुनाव प्रगत के दौरान पश्चिमी उग्र को एक अलग, स्वयंत्र राज्य बनाने का मुद्दा उठाया है। जब मायावती 2007-12 के दौरान उप की मुख्यमंत्री थीं, तब भी वह इस मुद्दे पर मुख्य थीं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री वौधरी चरण सिंह और उनके बांधी इसी भूमिका को हारित प्रदेश नामक राज्य बनाने को आंदोलन और अभियान छेड़ गए थे। हारित प्रदेश राष्ट्रीय लोकल के महत्वपूर्ण मुद्दे में एक था। यूकी पश्चिमी उग्र जात, किसान, गुरुर बहल आबादी का क्षेत्र है, जिनका बुनावी पेशा कृषि है, लिहाजा हारित प्रदेश नाम देने वाला-बावर कही गई, लोकां जिनका अब मायावती ने जो मुद्दा उठाया है, उनकी भाँतुका हारित प्रदेश से नज़ुर कर राजनीतिक और बुनाव का अलग राज्य बनाने का आम बुनाव। 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसा नहीं है, वर्षों का मायावती राजनीतिक तौर पर एक साक्षियों नहीं है। किंतु भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए स्वरक्ष, भाषा और जन-आंदोलन का होना बहेद अनिवार्य है। भाषायी आवाज पर राज्यों के पुनर्गठन का सिंगलिसा 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसुरु राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर आंध्रप्रदेश नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और तेवराना नया, अलग राज्य बनाने के बाद ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। राज्य पुनर्गठन आयोग ने इसी मुद्दे का व्यापक अध्ययन किया और 1955 में निर्णय दिया कि अलग राज्य बनाने के लिए भाषायी ही सबसे सशक्त आधार है। राज्य रिपोर्ट एक शासनिक ईकाई स्थापित करना ही मकान नहीं है, एक स्वतंत्र प्रशासनिक ईकाई स्थापित करना ही प्राप्ति नहीं है, एक स्वतंत्र सरकार ही नहीं है, वहां लोकतात्त्विक सरकारों की प्रक्रिया और कार्यालयों भी भावालालक हो जाए। इस संभव में इसका माफूल जगवा हो सकता है। प्रश्नों के प्रभावों को बढ़ावा देने की ओर इसका विवरण करना ही सकता है। प्रश्नों के लिए एक शासनिक ईकाई के आकार से भी यहां ही है। करीब अंदाइ राज्य पहले हारित प्रदेश राजों का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था। जो नहीं है। इसी दौर में भाषायी आधार और क्षेत्रीय इकाई, संस्कृति के आधार पर अलग राज्यों की मांग मुख्य होने लगी। नीतीजत झारखंड, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़ राज्य बनाए गए। उनके मूल राज्य-विहार, उत्तर और मध्यप्रदेश इन्हें विशाल राज्य थे कि विभाजन होने के बावजूद कुछ और अलग राज्यों की मांग मूलता रही है। आवास और शहरी मामलों की संसाधी कमेटी की एक रपट में अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय जीडीपी में शहरी भारत की डिस्ट्रीटी 60 फीसदी है, लिहाजा शहरी प्रभुत्व राज्य में राजनीतिक आयोगों और गवर्नरितों को बदल सकता है। राज्य सरकार को जो टेक्स मिला है, उस पर भी रवायत नियंत्रण इसी वर्ष से तय होगा। पश्चिमी उग्र का मुद्दा अपेक्षाकृत अर्थक रूप से कमज़ोर क्षेत्र का होगा।

2023-24 में दालों का आयात दोगुना हुआ

देश में उत्पादन घटने से गालू वित्र वर्ष में भी हो सकता है इंजाफा



नई दिल्ली। सरकार की चिंता कराया रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उत्पादन यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। इससे आयात पर निर्भरता बढ़ी है।

कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था। सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के कई उपयोगों बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बढ़ी हुई है। हमें अब भी खेलू जरूरतों की पारा करने के लिए उत्पादन घटा रहा है। इससे अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का

उत्पादन 45 लाख टन रह सकता है। सरकार की चिंता कराया रहा है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के मांग पूर्ति और कीमतों के स्थिर रखने के लिए केंद्र भाजपा और अंजेटीना जैसे नए बाजारों के साथ उत्पादन हुआ था।

सरकार से जुड़े सूर्यों ने एप्रिल-अरब को बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बढ़ी हुई है। हमें भी आने वाली हैं लेकिन जिसमें साथी कीमतों पर विश्व समाजीकरण की विषय है। कीमतों पर नियंत्रण के लिए 15 अप्रैल (सोमवार) को दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय की गई है। सरकार ने राज्यों से भी कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह अंकड़ा 24.5 लाख टन का था।

सरकार की चिंता कराया रहा है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

प्रिय पाठकों, आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करें।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoU 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.CurrentCrimeU.com

रवायी, मुद्रक, प्राकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए जी एस। पलिकेशन, एफ-23, सेक्टर-6, नोएडा-201301 (गोतमगढ़नगर) उत्तर प्रदेश से छपाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' वी-2वी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक: मनोज कुमार

संस्करण:

सम्पादक: राकेश यादव,

संस्करण:

सम्पादक: विवेक भाटी

संस्करण:

सम्पादक: संपादक कार्यालय

संस्करण:

तीनों प्राधिकरण के नियम होंगे शासन ने मेजी 100 पन्जों की पॉलिसी

गैतमबुद्ध नगर। गैतमबुद्ध नगर के तीनों प्राधिकरण की एक जैसी नीतिया बनेगी। तीनों प्राधिकरण के एक जैसे नियम होंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन की तरफ से पॉलिसी का ड्रॉप्पट तैयार किया गया है। शासन ने पॉलिसी का ड्रॉप्पट तैयार किया नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण को भेजा है। अब तीनों प्राधिकरण के विचार-विवरण करके वापस अपना जवाब शासन को भेजेंगे।



100 पन्जों का है पॉलिसी ड्रॉप्पट

तीनों प्राधिकरण के नियम एक होने के बाद आवंटियों को फायदा होगा। इस पॉलिसी ड्रॉप्पट में कीरी 100 पन्जों हैं। जिसमें सभी मुद्दों का जिक्र किया गया है। नियम एक बारे के साथ आवेदन पर समय सीमा भी तय की जाएगी। अभी ड्रॉप्पट रिपोर्ट पढ़ी जा रही है। जल्द उत्तर प्रदेश शासन को जवाब भेजा जाएगा।

अब
तीनों प्राधिकरण इस पर
विचार-विवरण करके
शासन को भेजेंगे
अपना जवाब

अगर कियाएंदार का नहीं कराया सत्यापन तो जाना पड़ेगा जेल



नोएडा। अपराध पर अंकुश लगाने व अपराध में लिप्त अपराधियों की पहचान करने के लिए पुलिस ने मकान मालिकों की भूमिका तय कर दी है। मकान मालिकों को ईकाइटेक तीन कोतवाली युलिसिस की तरफ से एक पत्र भेजा गया है, जिसमें कियाएंदार के अंदर मकान मालिकों ने कियाएंदारों का सत्यापन नहीं कराया तो जेल की हवा खानी होगी।

पुलिस मकान मालिकों के खिलाफ शार्ति भंग करने को कार्रवाई करेगी। यह हफ्ते लाइले की अनुमति है, जिससे कि कियाएंदार के मकान में होने वाले अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

पुलिस ने लिखा पत्र

पुलिस ने पत्र में यह भी लिखा है कि मकान मालिक अपने कियाएंदार के मकान के आसपास सी सीटीवी कैमरे लगाएं और निजी सुरक्षागार की तैयारी भी सुनिश्चित करें और उनके कियाएंदार के भवन में कोई आपाधिक घटना होती है जिम्मेदारी मकान मालिक की तय की जाएगी। ईकाइटेक तीन कोतवालीयों द्वारा शुरू की जाती है कि पिछले एक महीने में तीन ऐसे मालिकों ने आप जिसमें लड़कों की गयी हुई। यद्यपि जिस पर आपाधिक लगाया गया हो तो निकला। जांच में पता चला कि लड़की अपनी मर्जी से प्रेमी के साथ गई।

यदि उन्हें कियाएंदार के भवन में सी सीटीवी कैमरा लगा होता तो तुरंत ही यह बात पता लग जाती कि लड़की किस व्यक्ति के साथ गई है। यदि कियाएंदार के आपाधिक विवरण की रिपोर्ट के रडार पर आ जाता है। ऐसे में मकान मालिकों की जिम्मेदारी है कि वह कियाएंदारों वाले रहे हैं, लेकिन सुरक्षा के लिए जाना नहीं चाहिए। उन्होंने भी इसमें जिम्मेदारी है कि वह कियाएंदारों का सुरक्षित बनाने में अपनी हिस्सेदारी तय कर दी है।

कियाएंदार के कमानों में हुई घटनाएं

17 जनवरी को तुगलपुर पर कियाएंदार रहने वाली महिला रचना कुमारी की हत्या।

28 दिसंबर 2022 को नोएडा के फेज दो में कियाएंदार के कमानों में रहने वाली युवती से दुष्कर्म।

लेकिन नोएडा है डेढ़ लाख कियाएंदार का जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

इसमें ही डेढ़ लाख कियाएंदार की जिला है और इसमें कोई अधिक है।

